परिज्ञानलहरी महोत्सव के दौरान सामूहिक श्री ललिता सहस्रनाम स्तोत्र लक्ष-कुंकुमार्चना तथा

श्री ललिता त्रिशती नामावली कुंकुमार्चना

॥ ॐ श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री भवानीशङ्कराय नमः ॥ श्री मात्रे नमः ॥

जय शंकर!

हमें यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि परिज्ञानलहरी महोत्सव के अंतर्गत विशेष अवसरों पर विभिन्न स्थानों में **सामूहिक श्री ललिता सहस्रनाम स्तोत्र लक्ष-कुंकुमार्चना** तथा **श्री ललिता त्रिशती नामावली कुंकुमार्चना** का आयोजन क्रमशः बारी-बारी से किया गया है।

दिव्य श्री ललिता सहस्रनाम तथा श्री ललिता त्रिशती हमारे परमगुरु, परम पूज्य श्रीमत् परिज्ञानाश्रम स्वामीजी (तृतीय) को अत्यंत प्रिय थे तथा परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामीजी द्वारा भी अत्यधिक पूजनीय हैं।

परिज्ञानलहरी महोत्सव का यह पावन काल हमारे समाज को पहली बार सामूहिक रूप से इन दोनों पवित्र सेवाओं को अर्पित करने का एक दुर्लभ एवं ऐतिहासिक अवसर प्रदान कर रहा है।

हम परम सौभाग्यशाली हैं कि महोत्सव के दौरान इन विशेष सामूहिक साधनाओं के आयोजन हेतु हमें परम पूज्य श्रीमत् सद्योजात शंकराश्रम स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

इन दोनों विशेष सामूहिक साधनाओं की सूचना पहले से (पर्याप्त समय पूर्व) दी जाएगी, ताकि साधक अपनी सहभागिता की योजना बनाकर अधिकाधिक संख्या में उपस्थित हो सकें।

श्री ललिता सहस्रनाम स्तोत्र की प्रथम लक्ष-कुंकुमार्चना, गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर **२९ जुलाई २०२६ को प्रातः ८:०० बजे से ९:०० बजे** तक **श्रीमत् अनंतेश्वर मंदिर (SAT), विट्ठल** में आयोजित की जाएगी।

जो साधक **SAT- विट्ठल में प्रत्यक्ष रूप से अथवा ऑनलाइन** सहभागी होना चाहते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे नीचे दी गई लिंक के माध्यम से उपलब्ध पंजीकरण प्रपत्र भरकर **२६ जुलाई** तक अपनी सहभागिता की पुष्टि करें। **इस प्रपत्र में संपन्न की जाने वाली साधना का विस्तृत विवरण भी दिया गया है।**

पंजीकरण हेतु लिंक : https://forms.gle/cxyS1gVcFdxgk4Zp7

आप सभी से हमारा अनुरोध है कि इस विशेष सामूहिक सेवा का अंग बनकर, परम पूज्य स्वामीजी, हमारे आराध्य देवता श्री भवानीशंकर, देवी श्री राजराजेश्वरी तथा श्रीमत् अनंतेश्वर की पावन सन्निधि में इस भव्य सामूहिक अर्पण में सहभागी बनें।

सेवा में,
डॉ. चैतन्य गुलवाड़ी
धर्मप्रचारक, श्री चित्रापुर मठ
परिज्ञानलहरी कोर टीम की ओर से।